

# नई शिक्षा नीति ने रुचि और रोजगार परक विषय के चयन को बनाया आसान-प्रो. दुबे

**मेवाड़ विश्वविद्यालय के ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ समापन**

■ दास्ताने भीलवाड़ा @ (अमित कुमार चेहानी)

चित्तौड़गढ़। नई शिक्षा नीति ने विद्यार्थियों के लिए रुचि और रोजगार परक विषयों का चयन करना आसान बना दिया है। उक्त कथन मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहे दस दिवसीय कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि यूजीसी-एचआरडीसी जोधपुर के निदेशक प्रो. राजेश कुमार दुबे ने कहे। उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थी अपनी मनपसंद का विषय और रोजगार परक विषय, दोनों सम्बन्धित कोर्सेज को समानान्तर रूप से पूर्ण कर सकते हैं। अब विद्यार्थी चाहे तो संगीत और साइंस का कोई विषय एक साथ चुन सकते हैं। दो डिग्री भी एक साथ कर सकते हैं। वह चाहे तो बीच में कोर्स छोड़ भी सकते हैं और नौकरी के बाद भी कोर्स को पूर्ण करना चाहे तो, कर सकते हैं। इस तरह से मौजूदा शिक्षा नीति भारतीय युवाओं को कौशल युक्त और देश को विश्वगुरु बनाने के उद्देश्य से सर्वाधिक मुफ्तीद है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया ने विद्यार्थियों



को प्रेरित करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति ने जो भी नीतियां बनाई हैं उनमें से कई ऐसी नीतियां हैं जो मेवाड़ विश्वविद्यालय ने बहुत पहले से ही लागू किया हुआ है। बाकी की नीतियों को लागू करने के लिए विश्वविद्यालय पूरी तरह से तत्पर है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं विश्वविद्यालय के छात्रों को इस बात के लिए आश्रित करता हूं कि वह जो कुछ भी नवाचार, रिसर्च, प्रोजेक्ट करना चाहते हैं उसके लिए विश्वविद्यालय उन्हें हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। इसलिए अब आप सभी नई शिक्षा नीति का लाभ उठाते हुए जी जान से जुट जाइए और अपने कौशल से इस विश्वविद्यालय के विजन को चरितार्थ कीजिए। आप सभी हमारी आशाएं हैं,

देश की आशाएं हैं। मैं आशान्वित हूं कि यहां से निकले छात्र पूरे देश में इस विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

कुलपति प्रो.0 आलोक मिश्र ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें नई शिक्षा नीति का लाभ उठाते हुए समाज के उत्थान के लिए भी उत्कृष्ट कार्य करते रहना होगा। उन्होंने बताया कि शिक्षा अब ट्राई पोलर यानी कि विद्यार्थी, शिक्षक, पैरेंट्स ही नहीं हैं बल्कि यह ट्रेट्रा पोलर हो चुकी है, जहां चौथा ध्रुव समाज है।

डॉ लोकेश शर्मा ने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि आप को बेहद अनुशासित, सक्रिय और रचनात्मक होना होगा तभी आप देश के सच्चे मानव संसाधन साबित हो पाएंगे। प्रो. चित्रलेखा सिंह ने फ़ाइन आर्ट संकाय के प्राध्यापकों और संचालित हो रहे विभिन्न कोर्सेज की जानकारी दी। जिनमें मुख्यतः ज्योतिष, संगीत, गायन नृत्य, चित्रकला, योग आदि शामिल हैं। इस अवसर पर योग, संगीत और नृत्य कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का आरम्भ कुलगीत एवं समापन राष्ट्रगान से हुआ तथा संचालन अनुभव राठौड़ ने किया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति, आनन्द वर्धन शुक्ल, निदेशक हरीश गुरुनानी, ओएसडी एच. विधानी, अकादमिक निदेशक डीके शर्मा, उप कुलसचिव दीपि शास्त्री सहित शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय के ओरिएंटेशन कार्यक्रम का समापन

# नई शिक्षा नीति ने छंचि और रोजगार परक विषय के चयन को बनाया आसान : प्रो. दुबे

चित्तौड़गढ़, 16 नवम्बर (कासं.)। नई शिक्षा नीति ने विद्यार्थियों के लिए रुचि और रोजगार परक विषयों का चयन करना आसान बना दिया है।

यह बात मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहे दस दिवसीय कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि यूजीसी एचआरडीसी जोधपुर के निदेशक प्रो. राजेश कुमार दुबे ने कही। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी मनपसंद का विषय और रोजगार परक विषय, दोनों सम्बन्धित कोर्सेज को समानान्तर रूप से पूर्ण कर सकते हैं। अब विद्यार्थी चाहे तो संगीत और साइंस का कोई विषय एक साथ चुन सकते हैं। दो डिग्री भी एक साथ कर सकते हैं। वह चाहे तो बीच में कोर्स छोड़ भी सकते हैं और नैकरी के बाद भी कोर्स को पूर्ण करना चाहें तो कर सकते हैं। इस तरह से मौजूदा शिक्षा नीति भारतीय युवाओं को कौशल युक्त और देश को विश्वगुरु बनाने के उद्देश्य से सर्वाधिक मुफीद है। कार्यक्रम की अध्यक्षता



कर रहे मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति ने जो भी नीतियां बनाई हैं उनमें से कई ऐसी नीतियां हैं जो मेवाड़ विश्वविद्यालय ने बहुत पहले से ही लागू किया हुआ है। बाकी की नीतियों को लागू करने के लिए विश्वविद्यालय पूरी तरह से तत्पर है। उन्होंने कहा कि मैं विश्वविद्यालय के छात्रों को इस बात के लिए आश्रस्त करता हूं कि वह जो कुछ भी नवाचार, रिसर्च, प्रोजेक्ट करना चाहते हैं उसके लिए विश्वविद्यालय

अब ट्राई पोलर यानी कि विद्यार्थी, शिक्षक, पैरेंट्स ही नहीं है बल्कि यह ट्रेट्रा पोलर हो चुकी है, जहां चौथा ध्रुव समाज है। डॉ. लोकेश शर्मा ने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि आपको बेहद अनुशासित, सक्रिय और रचनात्मक होना होगा तभी आप देश के सच्चे मानव संसाधन साबित हो पाएंगे। प्रो. चित्रलेख सिंह ने फाइन आर्ट संकाय के प्राध्यापकों और संचालित हो रहे विभिन्न कोर्सेज की जानकारी दी। जिनमें मुख्यतः ज्योतिष, संगीत, गायन नृत्य, चित्रकला, योग आदि शामिल हैं। इस अवसर पर योग, संगीत और नृत्य कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का आरम्भ कुलगीत एवं समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम का संचालन अनुभव राठौड़ ने किया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति, आनन्द वर्द्धन शुक्ल, निदेशक हरीश गुरनानी, ओएसडी एच. विधानी, अकादमिक निदेशक डीके शर्मा, उप कुलसचिव दीपि शास्त्री सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# मेवाड़ विश्वविद्यालय के ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ समापन

समारोह को यूजीसी-एचआरडीसी जोधपुर के निदेशक प्रो. राजेश दुबे ने किया सम्बोधित

नई शिक्षा नीति ने लघि और रोजगार परक विषय के ध्यान को बनाया आसान-प्रो० दुबे

गणस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ नई शिक्षा नीति ने विद्यार्थियों के लिए रुचि और रोजगार परक विषयों का चयन करना आसान बना दिया है। उक्त कथन मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहे दस दिवसीय कार्यक्रम के समाप्त समारोह में बतौर मुख्य अतिथि यूजीसी-एचआरडीसी जोधपुर के निदेशक प्रो. राजेश कुमार दुबे ने कहे। उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थी अपनी मनपसंद का



विषय और रोजगार परक विषय, दोनों सम्बन्धित कोर्सेज को समानान्तर रूप से पूर्ण कर सकते हैं। अब विद्यार्थी चाहे तो समीत और साइंस का कोई विषय एक साथ चुन सकते हैं। दो डिग्री भी एक साथ कर सकते हैं। वह चाहे तो बीच में कोर्स छाड़ भी सकते हैं और नीकरी के बाद भी कोर्स को पूर्ण करना चाहे तो, कर सकते हैं। इस तरह से मौजूदा शिक्षा नीति

भारतीय युवाओं को कौशल युक्त और देश को विश्वगुरु बनाने के उद्देश्य से सर्वाधिक मुफीद है। कार्यक्रम की अवधित कर रखे मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ० अशोक कुमार गदिया ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति ने जो भी नीतियां बनाई हैं उनमें से कई ऐसी नीतियां हैं जो मेवाड़ विश्वविद्यालय ने बहुत पहले से ही लागू किया हुआ है।

बाकी की नीतियों को लागू करने के लिए विश्वविद्यालय पूरी तरह से तत्पर है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं विश्वविद्यालय के छात्रों को इस बात के लिए आश्वस्त करता हूं कि वह जो कुछ भी नवाचार, रिसर्च, प्रोजेक्ट करना चाहते हैं उसके लिए विश्वविद्यालय उन्हें हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। इसलिए अब आप सभी नई शिक्षा नीति का लाभ उठाए हुए जी जन से जून जाइए और अपने कौशल से इस विश्वविद्यालय के विजन को चरितार्थ कीजिए। आप सभी हमारे आशाएं हैं, देश की आशाएं हैं। मैं आशावित हूं कि यहां से निकले आत्र पूरे देश में इस विश्वविद्यालय का नाम गेशन करेंगे। कूलपति प्रो० आलोक मिश्र ने विद्यार्थियों का सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें नई शिक्षा नीति का लाभ उठाने हुए समाज के उथान के लिए भी उत्कृष्ट कार्य करते हुए योग, संगीत और नृत्य कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का आरम्भ कुलीन एवं समापन राष्ट्रगान से हुआ तथा संचालन अनुभव गतैङ्गे ने किया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति, आनन्द वर्द्धन शुक्ल, निदेशक हरीश गुरनानी, ओएसडी एच. विधानी, अकादमिक निदेशक डीके शर्मा, उप कुलसचिव दीपि शास्त्री सहित शिक्षकण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## मेवाड़ विश्वविद्यालय के ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ समापन

# नई शिक्षा नीति ने रुचि और रोजगार परक विषय के चयन को बनाया आसान : प्रो. दुबे

सुमारेह (यूनिसी-एचआरडीसी) जोधपुर के निदेशक प्रो. राजेश दुबे ने विद्यार्थी सम्मेलन का आयोजन करते हुए कहा कि विद्यार्थी नीति के लिए रुचि और रोजगार परक विषय का चयन करना आसान बना दिया है।

चलोगढ़ (अमित कुमार खेड़वानी) : नई विद्यार्थी नीति ने विद्यार्थीयों के लिए रुचि और रोजगार परक विषयों का चयन करना आसान बना दिया है। उक्त कदम मेवाड़ विश्वविद्यालय में अपनीज छोड़ देते हुए इस विद्यार्थी कार्यक्रम के समापन समारोह में बहीर पूछा आवेदि।

यूनिसी-एचआरडीसी जोधपुर के निदेशक प्रो. राजेश कुमार दुबे ने कहे। उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थी अपनी मनपसंद का विषय और

रोजगार परक विषय, दोनों सम्बन्धित कोर्सों को सम्बन्धित रूप से पूर्ण कर सकते हैं। अब विद्यार्थी जो भी शैक्षणिक और सार्वजनिक कार्यक्रम में एक साथ चुन सकते हैं। ऐसे विद्यार्थी भी एक साथ कर सकते हैं। वह चुने जो भी विषय में कोर्स छोड़ भी सकते हैं और नीकरी के बाद भी कोर्स को पूर्ण करना चाहते हों, कर सकते हैं। इस रूप से मीडिया विज्ञान जैसी भालीय युवाओं को कोशल युवा और देश को विद्यार्थी बनाने के लिए ये सर्वाधिक मुहौद है।

कार्यक्रम की अवधिकाता कर रहे मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिकारी डॉ अशोक कुमार गहिया ने विद्यार्थीयों को शोख करके हुए कहा कि नई विद्या नीति ने जो भी नीतियाँ बनाई हैं उनमें से कई ऐसी नीतियाँ हैं जो मेवाड़ विश्वविद्यालय ने बहुत पहले से ही लागू किया



हुआ है। वाकी की नीतियों को लागू करने के लिए विद्यार्थी नीति का लाप उठाए हुए।

उहोने यह भी कहा कि मैं विश्वविद्यालय के

छात्रों को इस बात के लिए आधिकार करता हूं कि वह जो कुछ भी नवाचार, सिर्फ़ प्रोजेक्ट करता चाहते हैं उसके लिए विश्वविद्यालय उन्हें

हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विद्यार्थी। इसलिए आगे आगे सभी नई विद्या नीति का सामान उठाने हुए जो जन से जुट जाएँ और उन्हें कोर्सों से इस विषय के विकास को सहायी करिए। अप सभी स्वामी आगाएँ हैं, देश की अशाएँ हैं। मैं आशानित हूं कि वही से निकले जाव पूरे देश में इस विश्वविद्यालय का नाम रोका करें। कुलपति भी हैं। आलोक पिंड्रा ने विद्यार्थीयों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें नई विद्या नीति का लाप उठाए हुए समाज के उद्यान के लिए भी उत्कृष्ट कार्य करते हुए होंगा। उन्होंने बताया कि विद्या आवाही पौलर यानी कि विद्यार्थी, शिक्षक, ऐंट्रेस्युली नहीं हैं बल्कि यह देश पौलर हो जूही है, जहाँ जीवा ज्वल समाज है। डॉ. लोकेन्द्र शर्मा ने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि आप को

बेहद अनुशासित, सक्रिय और रखनावधक होना होगा तभी आप देश के सभी मानव संसाधन समर्पित हो पायेंगे। प्रो. विजयलक्ष्मि शिंह ने फाइन आर्ट संकाय के प्राप्तियों और संसाधनों से विद्यार्थीयों को जाकरी दी। विनम्र मुहूरत, ज्योतिष, संगीत, गायन और विविधकाता, योग आदि शामिल हैं। इस अवसर पर योग, संगीत और नृत्य कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का आरम्भ कुलपति एवं समापन गद्दामान से हुआ तथा संसाधन अनुभव गटीड़े ने किया। इस अवसर पर प्रतिकूलपत्रि, आनन्द वर्षभन्न युवत, निदेशक हरीष पूर्णनी, ओपराई एवं विद्यार्थी, अकादमिक निदेशक डॉके शर्मा, उप कुलपति विविध दीके शर्मा, उप विद्यार्थी उपसंचित हैं।